**BANC 112: अभ्यास में मानवविज्ञान**

**अनुशिक्षक चिंहित सत्रीय–कार्य**

**(TMA)**

**कोर्स कोड: बीएएनसी 112**

**असाइनमेंट कोड: बीएएनसी 112/ASST/TMA/जुलाई 2026– जनवरी 2027**

**कुल अंक: 100**

**सत्रीय कार्य में तीन अनुभाग हैं। आपको सभी अनुभागों में सभी प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।**

## सत्रीय कार्य – I

**निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग 500 शब्दों में उत्तर दीजिए।** **2×20=40**

क. व्यावहारिक (पेशेवर) मानवविज्ञानियों के समक्ष आने वाली चुनौतियों एवं दुविधाओं का विवेचन कीजिए।

ख. उपयुक्त उदाहरणों सहित व्यावसायिक एवं कॉर्पोरेट मानवविज्ञान की व्याख्या कीजिए।

## सत्रीय कार्य – II

**निम्नलिखित में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए। (लघु टिप्पणियाँ लिखें)** **2×10=20**

क. शैक्षणिक मानवविज्ञानी एवं व्यावहारिक (पेशेवर) मानवविज्ञानी के मध्य अंतर का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

ख. फॉरेंसिक मानवविज्ञान में व्यावहारिक (पेशेवर) मानवविज्ञानी की भूमिका क्या है? विवेचना कीजिए।

**निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए।** **5×2=10**

क. महामारी विज्ञान एवं जनस्वास्थ्य

ख. आनुवंशिक जाँच एवं परामर्श

ग. वकालत (एडवोकेसी) एवं अनुसंधान नीति में मानवविज्ञान

घ. नृचिकित्सा

ङ. जनसंख्या गतिकी एवं संस्कृति

## सत्रीय कार्य – III

क. भूकंप के प्रति लोगों की जागरूकता एवं तैयारी को समझने के लिए एक शोध–रूपरेखा तैयार कीजिए। बताइए कि इस अध्ययन में आप किन उपकरणों का उपयोग करेंगे। उपयुक्त उदाहरणों सहित स्पष्ट कीजिए। **20**

ख. सहभागी ग्रामीण मूल्यांकन क्या है? इसके लाभ एवं सीमाओं की व्याख्या कीजिए। **10**

---

## क. व्यावहारिक (पेशेवर) मानवविज्ञानियों के समक्ष आने वाली चुनौतियों एवं दुविधाओं का विवेचन कीजिए।

### उत्तर

व्यावहारिक या पेशेवर मानवविज्ञानी मानव समूहों के जीवन, संस्कृति, स्वास्थ्य, आजीविका और सामाजिक संबंधों का अध्ययन करके वास्तविक समस्याओं को समझने और उनके समाधान में सहायता करते हैं। वे सरकारी योजनाओं, गैर-सरकारी संगठनों, अस्पतालों, कंपनियों, आपदा प्रबंधन और विकास परियोजनाओं से जुड़ सकते हैं। उनके अध्ययन का प्रभाव सीधे लोगों के जीवन पर पड़ता है, इसलिए उन्हें केवल वैज्ञानिक ढंग से जानकारी एकत्र करना पर्याप्त नहीं होता। उन्हें यह भी देखना पड़ता है कि उस जानकारी का उपयोग किसके हित में हो रहा है और उससे किसी समुदाय को हानि तो नहीं पहुँच रही।

### सूचित सहमति और गोपनीयता की दुविधा

क्षेत्रीय अध्ययन में लोगों से परिवार, बीमारी, आय, जाति, परंपरा या विश्वासों के बारे में प्रश्न पूछे जाते हैं। शोधकर्ता का दायित्व है कि वह अध्ययन का उद्देश्य सरल भाषा में बताए, स्वैच्छिक सहमति ले और किसी भी समय भाग न लेने का अधिकार स्पष्ट करे। यदि कोई महिला घरेलू हिंसा से जुड़ी जानकारी साझा करती है, तो उसकी पहचान उजागर होने से उसे खतरा हो सकता है। इसी प्रकार स्वास्थ्य संबंधी या आनुवंशिक जानकारी को बिना अनुमति किसी संस्था को देना अनुचित होगा। नाम बदल देना हमेशा पर्याप्त नहीं होता, क्योंकि छोटे गाँव में पद या पारिवारिक विवरण से व्यक्ति पहचाना जा सकता है। इसलिए जानकारी सुरक्षित रखना, आवश्यक सीमा तक ही एकत्र करना और पहचान हटाकर परिणाम प्रस्तुत करना आवश्यक है।

### संस्था के उद्देश्य और समुदाय के हित में टकराव

बहुत बार अध्ययन का खर्च किसी सरकारी विभाग, उद्योग या परियोजना से आता है। वित्त देने वाली संस्था जल्दी और अपने अनुकूल रिपोर्ट चाह सकती है, जबकि स्थानीय लोगों की समस्याएँ उससे अलग हो सकती हैं। उदाहरण के लिए, खनन परियोजना से रोजगार के अवसर बढ़ सकते हैं,